भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 3896**
(वाणिज्य विभाग)

दिनांक 12 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

निर्यात हब के रुप में चिन्हित जिला कार्यक्रम के अंतर्गत नासिक के लिए निर्यात क्षमता समर्थन उपाय

3896. श्री राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे:

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र के नासिक जिले सहित देश के सभी जिलों के लिए डिस्ट्रिक्ट्स ऐज़ एक्सिपोर्ट हब (डीइएच) पहल के अंतर्गत निर्यात संभावना और प्रमुख उत्पादों की पहचान की है;

(ख) यदि हां, तो नासिक के लिए पहचाने गए अंगूर, प्याज, प्रसंस्कृत खाद्य और इंजीनियरिंग सामान जैसे उत्पादों, सेवाओं और क्षेत्रों सहित निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए किए गए समर्थन उपायों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विशेषकर नासिक के निर्यातकों और उत्पादकों को लाभ पहुंचाने वाले 'वोकल फॉर लोकल' विजन के अंतर्गत एमएसएमई और कृषक उत्पादक संगठनों के लिए कोई जिला-स्तरीय निर्यात संवर्धन समितियां या प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यान्वित किए गए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और डीईएच ढांचे के अंतर्गत भारत के समग्र निर्यात बास्केट में नासिक के योगदान को और बढ़ावा देने के लिए किन-किन वित्तीय प्रोत्साहनों, अवसंरचना उन्नयन अथवा बाजार संपर्कों की योजना बनाई गई है**?**

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख) सरकार ने निर्यात हब पहल के रूप में जिलों के तहत निर्यात क्षमता की पहचान करने और जिलों से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए उपाय किए हैं। इसमें राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों सहित सभी हितधारकों के परामर्श से देश के सभी जिलों में निर्यात क्षमता वाले उत्पादों और सेवाओं को चिन्हित करना शामिल है। राज्य निर्यात संवर्धन समिति (एसईपीसी) और जिला स्तर पर जिला निर्यात संवर्धन समिति (डीईपीसी) का गठन करके महाराष्ट्र सहित सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में एक संस्थागत तंत्र स्थापित किया गया है। पहल के तहत, नासिक सहित 590 जिलों के लिए जिला निर्यात कार्य योजनाएं तैयार की गई हैं, जिनमें आपूर्ति श्रृंखला में मौजूदा बाधाओं का विवरण दिया गया है और मौजूदा कमियों

को कम करने के लिए संभावित हस्तक्षेपों की पहचान की गई है। डीईएपी में डीईएच पहल के तहत उस जिले के लिए चिन्हित किए गए प्रमुख उत्पादों और निर्यात क्षमता के बारे में विवरण शामिल हैं।

नासिक जिले के लिए चिन्हित किए गए उत्पादों में नासिक अंगूर, पैठाणी साड़ियाँ, नासिक वैली वाइन, किशमिश, लासलगांव प्याज, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत उपकरण तथा दवाइयाँ शामिल हैं। राज्यवार जिलों और संबंधित उत्पादों/सेवाओं की पूरी सूची www.dgft.gov.in/CP/ पर देखी जा सकती है। डीईएच पहल के तहत, देश भर के विभिन्न जिलों में निर्यात बंधु स्कीम के अंतर्गत आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन आउटरीच कार्यक्रमों का उद्देश्य डिजिटल ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म पर शामिल होने के अलावा, सहायता और संवेदी समर्थन प्रदान करना है, जिससे निर्यातकों और एमएसएमई को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में प्रभावी रूप से शामिल होने के लिए अपेक्षित सहायता मिल सके।

(ग) और (घ) दिनांक 18 मार्च, 2025 को एमएसएमई निर्यातकों के लाभ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका फोकस "भारत की निर्यात क्षमता का लाभ उठाने: निर्यात बंधु स्कीम के तहत नवीनतम स्कीमों और रणनीति का मार्ग दर्शन करने और ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने" पर था। दिनांक 18 जुलाई, 2025 को नासिक में निर्यात बंधु सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय सीमा पार वित्तपोषण समाधान और निर्यात प्रोत्साहन सहित भारतीय निर्यातकों के लिए असुरक्षित पोस्ट-शिपमेंट वित्त पर चर्चा शामिल थी।

केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) भारतीय निर्यातकों, विशेषकर एमएसएमई के समक्ष आने वाली प्रमुख बाधाओं को दूर करने का प्रस्ताव करता है। इसका उद्देश्य किफायती और समावेशी व्यापार वित्त तक पहुँच को मज़बूत करना, गैर-वित्तीय बाधाओं को दूर करना है जिससे निर्यात की गुणवत्ता और वैश्विक मानकों के अनुपालन में वृद्धि होगी, साथ ही, लॉजिस्टिक्स सहायता और संस्थागत निर्यात सहायता प्रदान की जाएगी। वर्तमान में, ईपीएम का मसौदा ईएफसी नोट तैयार कर संबंधित मंत्रालयों को उनकी टिप्पणियों के लिए भेज दिया गया है।

'वोकल फॉर लोकल' पहल नीति आयोग के एस्पिरेशनल ब्लॉक कार्यक्रम का हिस्सा है, जहां "वोकल फॉर लोकल" संकेतक सहित विभिन्न क्षेत्रों में 40 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआइ) पर एस्पिरेशनल ब्लॉक की प्रगति की निगरानी की जाती है।

डीपीआइआइटी की एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल का उद्देश्य देश के सभी जिलों में संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना है। ओडीओपी का उद्देश्य देश के प्रत्येक जिले से कम से कम एक उत्पाद का चयन, ब्रांडिंग और प्रचार करना है ताकि कपड़ा, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प आदि जैसे और विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करते हुए सभी क्षेत्रों में समग्र वृद्धि को प्राप्त् किया जा सके। ओडीओपी पहल ने देश भर के 773 जिलों से 1241 उत्पादों को चिन्हित किया है।

ओडीओपी जेम बाज़ार: एक ज़िला एक उत्पाद (ओडीओपी) मदों की देशव्यापी बिक्री और खरीद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिनांक 29 अगस्त, 2022 को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) पर ओडीओपी जेम बाज़ार का शुभारंभ किया गया। शुरुआत में 210 से अधिक उत्पाद श्रेणियों के साथ शुरु हुए इस प्लेटफार्म का

अब 500 से अधिक श्रेणियों तक विस्तार हो चुका है, जिससे देश भर में ओडीओपी उत्पादों की दृश्यता और पहुँच बढ़ गई है।

डीजीएफटी निर्यात कार्यशाला: ओडीओपी ने निर्यात संवेदीकरण और संवर्धन कार्यशालाओं के आयोजन हेतु डीजीएफटी के साथ साझेदारी की है, जिनका उद्देश्य हितधारकों को वैश्विक व्यापार में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक जानकारी, उपकरण और रणनीतियाँ प्रदान करना है। ये कार्यशालाएँ ओडीओपी हितधारकों को अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने और भारत के निर्यात विकास को गति देने के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

ओडीओपी कैटलॉग: एक डिजिटल ओडीओपी गिफ्ट कैटलॉग लॉन्च किया गया है, जिसमें पूरे भारत के 1,000 से ज़्यादा उत्पाद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 1500 से ज़्यादा अखिल भारतीय ओडीओपी आपूर्तिकर्ताओं की एक निर्देशिका भी जारी की गई।

आयोजन/प्रदर्शनियाँ (घरेलू/अंतरराष्ट्रीय): ओडीओपी वैश्विक मंचों पर ओडीओपी उत्पादों के प्रचार के लिए विदेश मंत्रालय और विदेशों में भारतीय मिशनों के साथ सहयोग कर रहा है। ओडीओपी ने कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लिया है, जिनमें दिनांक 27 फरवरी, 2025 को ईओआइ, कज़ाकिस्तान के सहयोग से आयोजित ओडीओपी प्रचार और व्यावसायिक गोलमेज सम्मेलन और दिनांक 15-16 मार्च, 2025 को सीजीआइ, हांगकांग के सहयोग से आयोजित द वर्ल्ड एक्स्पो, ओसाका, सेल इवेंट में अतुल्य भारत उत्सव जैसे आयोजन शामिल हैं, ईओआइ, चीन द्वारा दिनांक 22 मार्च, 2025 को आयोजित वंसत मेला, दिनांक 23 से 31 मई, 2025 तक मालदीव एक्स्पो, दिनांक 5 से 13 जुलाई 2025 तक ईओआइ, रूस द्वारा आयोजित भारतीय ग्रीष्मकालीन मेला शामिल हैं।

पीएम गतिशक्ति - ओडीओपी अनुभविक केंद्र: प्रगति मैदान नई दिल्ली में, डीपीआइआइटी द्वारा अनुभविक केंद्र तैयार किया गया एक क्यूरेटेड स्थान है जिसे पूरे भारत के ओडीओपी उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। देश की समृद्ध सांस्कृतिक और उद्यमशीलता विविधता का प्रतिनिधित्व करते हुए यह मंच कारीगरों और उत्पादकों के लिए राष्ट्रीय दृश्यता और बाज़ार पहुँच को बढ़ाने का काम करता है।

राष्ट्रीय ओडीओपी पुरस्कार: ओडीओपी दृष्टिकोण के माध्यम से आर्थिक विकास प्राप्त करने में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, जिलों और विदेशों में मिशनों द्वारा किए गए असाधारण प्रयासों को मान्यता देने और स्वीकार करने के लिए, डीपीआइआइटी द्वारा 2023 में "एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पुरस्कार" की स्थापना की गई है।

*****